कैनविज टाइम्स
6 बुधवार, 22 मई 2013
लखनऊ

गन्ना अनुसंधान संस्थान का रुख दूसरे राज्यों की ओर

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने उत्तर प्रदेश के अलावा अब दूसरे राज्यों में भी चीनी उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम शुरू किया है। बिहार के बाद ओडिशा की ओर संस्थान के वैज्ञानिकों ने रुख किया है। इस बाबत ओडिशा के ढेकनेवाल स्थित शुगर मिल प्रशासन व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन के बीच हुई वार्ता के बाद यहां के वैज्ञानिकों के एक दल ने ओडिशा का दौरा किया है।

ओडिशा में गन्ना उपज लगभग 70 टन प्रति हेक्टेयर है। इसके बावजूद गन्ना क्षेत्रफल तथा चीनी उत्पादन बहुत कम है। यह स्थिति ओडिशा की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस स्थिति से उबरने के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के एक दल ने हाल ही में वहां के गन्ना क्षेत्रों का दौरा किया। पाया गया कि वहां के किसान परम्परागत धान की खेती से कम आय के कारण अब गन्ना की खेती में ज्यादा रुचि ले रहे हैं, लेकिन कुछ बाधाओं तथा तकनीक की कमी के कारण गन्ना की खेती का रकबा नहीं बढ़ पा रहा है। वैज्ञानिक दल के प्रभारी डॉ. शिवनायक सिंह ने बताया अधिक वर्षा एवं खराब जल निकासी व्यवस्था के कारण जलभराव, उन्नत गन्ना प्रजातियों की कमी, मिट्टी में फास्फोरस तथा बोरोन की कमी, नाशीकीटों तथा रोगों का गन्ना फसलों में प्रकोप, प्ररोह बेधक कीट का बहुतायत प्रकोप, वैज्ञानिक जानकारी की कमी, तेज हवा के कारण गन्ना गिरना तथा गन्ना खेती में मशीनों का नहीं के बराबर उपयोग आदि समस्याओं के कारण गन्ना क्षेत्रफल नहीं बढ़ पा रहा है तथा चीनी परता भी आठ से साढ़े आठ प्रतिशत के आस-पास ही है।

उन्होंने बताया कि इस समय ओडिशा में लगभग 48 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना उगाया जा रहा है तथा कुल गन्ना उत्पादन 38 से 40 लाख टन है। अगले कुछ वर्षों में गन्ना क्षेत्रफल डेढ़ लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह के मुताबिक संस्थान ने तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए एक साझा कार्यक्रम को चीनी मिल क्षेत्र में संचालित करने की रूपरेखा तैयार की है। इस रणनीति के तहत वैज्ञानिकों का एक दल संस्थान की ओर से विकसित उन्नत गन्ना प्रजाति कोलख 94184, गन्ना मशीन-पेड़ी प्रबंधन मशीन, ऊंची मेड़ बनाकर सहफसल बोवाई मशीन, कटर-प्लांटर मशीन, धान-गन्ना फसल प्रणाली, जैव आधारित कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार तकनीकों पर मिल क्षेत्रों में किसानों के खेतों पर प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही गन्ना विकास कार्यकर्ताओं तथा किसानों को प्रशिक्षित कर इन तकनीकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

चुकंदर और गन्ना में चीनी परता बढ़ाने के गुर सीखने आए बंगलादेश के वैज्ञानिक

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ की ओर से किए जा रहे उत्कृष्ट शोध को एशिया एवं विश्व के अन्य देशों में सराहा जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण यह है कि बंगलादेश की सरकार ने अपने देश में चुकंदर तथा गन्ना से चीनी उत्पादन बढ़ाने की विधा सीखने के लिए अपने तीन वैज्ञानिकों को यहां भेजा है। इस कड़ी में मंगलवार को संस्थान के पुस्तकालय सभागार में चुकंदर खेती, पेराई एवं चीनी प्रसंस्करण विषय पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसका उद्घाटन परियोजना समन्वयक (गन्ना) डॉ. आके सिन्हा ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बंगलादेश गन्ना शोध संस्थान के तीन वैज्ञानिक एकेएम रशादुल इस्लाम, मोहम्मद अबु तहेर सोहेल तथा मोहम्मद नूरे आलम सिद्दीकी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एम स्वपना हैं। प्रशिक्षण के दौरान संस्थान की ओर से विकसित चुकंदर उत्पादन तकनीकों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रायोगिक तथा जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति से परिचय के लिए बंगलादेश के वैज्ञानिकों को पंजाब, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश में किसानों के खेतों तथा चीनी मिलों का भ्रमण कराया जाएगा। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने कहा कि कुछ वर्षों में एशिया तथा विश्व के कई देश श्रीलंका, इंडोनेशिया व चीन अपने वैज्ञानिकों व अधिकारियों को इस संस्थान में प्रशिक्षण के लिए भेज रहे हैं। दक्षिण अफ्रीकी देश भी यहां उत्कृष्ट शोध कार्यों से प्रभावित होकर अपने वैज्ञानिकों को गन्ना में नई-नई शोध तकनीकों को सीखने के लिए संस्थान भेजने पर विचार-विमर्श कर रहा है।

अमर उजाला लखनऊ | बुधवार | 22 मई 2013

आईआईएसआर सिखाएगा ओडिशा को गन्ने की खेती

लखनऊ। ओडिशा में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) लखनऊ सहयोग देगा। ओडिशा की भौगोलिक परिस्थितियों और खेती केहालात का अध्ययन संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और ओडिशा के ढेनकेवाल में स्थित शक्ति शुगर मिल प्रबंधन गन्ने की उपज बेहतर होने के बावजूद ओडिशा में गन्ना क्षेत्रफल और चीनी उत्पादन कम होने के समाधान तलाशने पर चर्चा की गई। वहीं ओडिशा गए संस्थान के वैज्ञानिक दल प्रभारी डॉ. शिवनायक सिंह ने बताया कि अधिक बारिश और जल निकास की खराब व्यवस्था की वजह से गन्ने की फसल को बढ़ावा देना चुनौतीपूर्ण है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह के अनुसार अब संस्थान मिल क्षेत्र में एक विशेष कार्यक्रम चलाएगा और आईआईएसआर द्वारा विकसित गन्ने की उत्कृष्ट किस्म कोलख 94184 और तकनीकों गन्ना मशीन पेड़ी प्रबंधन मशीन, ऊंची मेड़ बनाकर सहफसल बुवाई, कटर प्लांटर मशीन, आदि का प्रदर्शन किसानों से किया जाएगा। आईआईएसआर ने बांग्लादेश के वैज्ञानिक दल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है।

the pioneer
LUCKNOW WEDNESDAY | MAY 22, 2013

IISR training B'desh scientists

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

The research carried out at Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) is recognized by several Asian and other countries. In recognition of the work being done by the scientists of IISR, the Government of Bangladesh sent their scientists for training at this institute. A two-week training programme was organised at the library . It was inaugurated by project coordinator (Sugarcane) OK Sinha.

Training programme at IISR

Three scientists from Bangladesh Sugarcane Research Institute — AKM Rashadul Islam, Mohammad Abu Taher Sohel and Mohammad Nuray Alam Siddiquee — are participating in this workshop. Training coordinator M Swapna introduced the training module to participants, chairman and resource persons.

During the course of training, participants will be imparted recent knowledge in sugarbeet/sugarcane research and cultivation and processing technologies which are in vogue in India. The sugarbeet varieties developed and tropicalised cultivation package for sugarbeet production will be major highlights of the programme. However, practical exposure of trainee to field conditions will be an important component of the training.

For this, a visit to sugarbeet fields and sugar processing plant in Punjab is scheduled. At the same time, trainees will also be given an opportunity to learn sugarbeet breeding and seed production techniques with a visit to IISR Sugarbeet Breeding outpost at Mukteshwar (Uttarakhand).

06 श्री टाइम्स लखनऊ

लखनऊ बुधवार 22 मई, 2013

विदेशों में भी होगी भारतीय कृषि पद्धति

अन्य देशों में सराहा गया गन्ना अनुसंधान का शोध

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट शोध को एशिया एवं विश्व के अन्य देशों में सराहा जा रहा है।

इसका ताजा उदाहरण है कि बंगलादेश सरकार अपने देश में चुकन्दर तथा गन्ना से चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने तीन वैज्ञानिकों को लखनऊ के इस संस्थान में गन्ना एवं चुकन्दर पर किये जा रहे उत्कृष्ट शोध कार्यों एवं तकनीकों को सीखने के लिए 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए भेजा है। संस्थान के पुस्तकालय सभागार में चुकन्दर खेती, पेराई एवं चीनी प्रसंस्करण विषय पर चौदह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जो तीन जून तक चलेगा का उद्घाटन डा. ओके सिन्हा, परियोजना समन्वयक गन्ना की अध्यक्षता में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बंगलादेश गन्ना शोध संस्थान के तीन वैज्ञानिक एकेएम रशादुल इस्लाम, मोहम्मद अबु तहेर सोहल तथा मो. नूरे आलम सिद्दीकी भाग ले रहे है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डा. एम स्वपना, वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं तथा उनके अनुसार 14 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान संस्थान द्वारा विकसित चुकन्दर उत्पादन तकनीकों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जायेगी। साथ ही प्रायोगिक तथा जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति से परिचय के लिए बंगलादेश के वैज्ञानिकों को पंजाब, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश में किसानों के खेतों तथा चीनी मिलों का भ्रमण कराया जायेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखंड के मुक्तेश्वर स्थित संस्थान का चुकन्दर प्रजनन एवं बीज उत्पादन इकाई का भी भ्रमण कराया जायेगा, जिससे चुकन्दर प्रजनन एवं बीज उत्पादन तकनीक पर प्रयोगिक जानकारी मिल सके। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एके साह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एशिया तथा विश्व के देश श्रीलंका, इंडोनेशिया, चीन अपने वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों को भारत में इस संस्थान में प्रशिक्षण के लिये भेज रहे हैं साथ ही दक्षिण अफ्रीकी देश भी यहा उत्कृष्ट शोध कार्यों से प्रभावित होकर अपने वैज्ञानिकों को गन्ना में नई-नई शोध तकनीकों को सीखने के लिए संस्थान भेजने पर विचार-विमर्श कर रहा है।

- विदेशी वैज्ञानिक लेंगे चुकन्दर व गन्ना उत्पादन का प्रशिक्षण
- चौदह दिन चलेगा शिविर

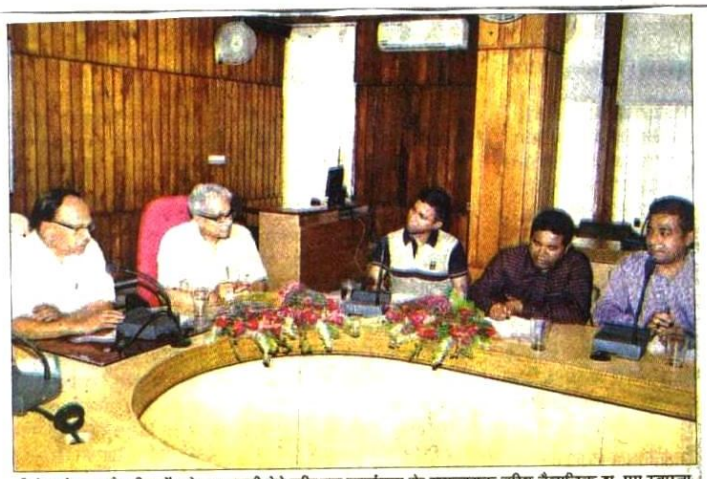

विदेश से आए वैज्ञानिकों को जानकारी देते प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एम स्वपना